प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

धान की फसल में कीट व रोग के प्रबंधन पर प्रक्षेत्र दिवस आयोजित

पंतनगर। 15 सितम्बर 2021। विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय समन्वित जैव नियंत्रण परियोजना द्वारा एक–दिवसीय प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन ग्राम देवलामल्ला, गौलापार में किया गया, जिसमें पादप रोग विज्ञान विभाग की वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. रूपाली शर्मा ने बताया कि इस परियोजना में किसानों को चयनित कर उनके खेती में हो रही समस्याओं को संकलित किया गया है तथा समेकित नाशीजीव प्रबन्धन के अन्तर्गत इन चयनित किसानों के प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन लगाये गये तथा प्रदर्शन हेतु सामग्री भी उपलब्ध कराई गयी। शोधकर्ता भूपेश चन्द्र कबडवाल ने किसानों को जैव नियन्त्रण प्रयोगशाला में बनाये जा रहे जैव नियंत्रक *ट्राइकोडर्मा हरजियानम, स्यूडोमोनास फ्लोरीसेन्स* एवं *वेवेरिया वेसियाना* की उत्पादन तकनीकी एवं उनका खेती में प्रयोग करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया की अधिक आय प्राप्त करने के लिए किसानों को संकर बीजों, कीट व बीमारियों की समस्याओं के लिए रसायनिक दवा व उर्वरकों के अत्याधिक उपयोग नहीं करना चाहिए।

सहायक प्राध्यापक, कीट विज्ञान, डा. आर. पी. मौर्या ने धान की फसल में तना छेदक प्रकोप की रोकथाम हेतु एक हेक्टेयर में 20 फेरामोन प्रपंच लगाये जाने की जानकारी दी। सहायक प्राध्यापक, पादप रोग विज्ञान विभाग, डा. रश्मि तिवारी ने क्षेत्र के विभिन्न किसानों के प्रक्षेत्रों का भ्रमण किया एवं किसानों को धान की फसल में लगने वाले विभिन्न बीज जनित रोगों के लक्षणों की पहचान एवं उनके उपचार की जानकारी दी। इस अवसर किसानों को फेरामोन प्रपंच मशीन, धान के तना छेदक का लेयोर, नीम आयल, यलो स्टीकी ट्रैप व जैव अभिकर्ता (पन्त बायोकन्ट्रोल–3) किसानों को निःशुल्क वितरित किया गया। प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम में 100 किसानों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में किसानों को जानकारी देते वैज्ञानिक।